भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2928

जिसका उत्तर 06 अगस्त, 2025 को दिया जाना है ।

15 श्रावण, 1947 (शक)

सेमीकंडक्टर निर्माण इकाइयाँ

2928. श्री राहुल गांधीः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 जुलाई, 2025 तक इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अंतर्गत स्वीकृत या स्थापित की गई सेमीकंडक्टर निर्माण इकाइयों की संख्या कितनी है;

(ख) आईएसएम के अंतर्गत अब तक स्वीकृत और वितरित सरकारी निधि की कुल राशि कितनी है;

(ग) उन स्थानों का ब्यौरा क्या है जहाँ ये निर्माण इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं;

(घ) इन निर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए चयनित भारतीय कंपनियों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इनमें से प्रत्येक कंपनी के साथ काम कर रहे विदेशी या घरेलू प्रौद्योगिकी भागीदारों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ङ): ** सेमीकंडक्टर विनिर्माण एक रणनीतिक और मूलभूत उद्योग है, जो आने वाले दशकों में भारत के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सेमीकंडक्टर चिप्स मोबाइल फोन से लेकर रेफ्रिजरेटर और कारों से लेकर मिसाइल तक के कई उत्पादों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

जिस तरह इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण का विस्तार हो रहा है, एक सुदृढ़ सेमीकंडक्टर उद्योग का विकास आवश्यक होता जा रहा है, क्योंकि सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में मुख्य घटक होते हैं। सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन और पैकेजिंग शामिल हैं। इस उद्योग को निरंतर अवधि के लिए पूंजी निवेश और अत्यधिक कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होती है। चिप निर्माण प्रक्रियाओं को भी तीन सौ से अधिक विभिन्न प्रकार की विशेष गैसों और रसायनों की आवश्यकता होती है।

भारत की सेमीकंडक्टर रणनीति व्यापक है, जिसमें संपूर्ण मूल्य श्रृंखला शामिल है। यह एक सुदृढ़ प्रतिभा आधार बनाने पर केंद्रित है और आत्मनिर्भर भारत और "मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड" के दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित है। यह हमारे देश में डिजाइन क्षमताओं पर आधारित है।

सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण इकोसिस्टम के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम को मंजूरी दी है।

31 जुलाई, 2025 तक, सरकार ने इस कार्यक्रम के तहत 6 सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी है। इसका विवरण निम्नानुसार हैं:

1. **माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड** साणंद, गुजरात में 22,516 करोड़ रुपए के कुल निवेश और अपने स्वयं के समूह प्रौद्योगिकी के साथ।

2. **टाटा सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड**, धोलेरा, गुजरात में पावरचिप सेमीकंडक्टर विनिर्माण निगम (पीएसएमसी), ताइवान के साथ प्रौद्योगिकी साझेदारी के तहत 91,526 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ।
3. **टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड,** मोरीगांव**,** असम में 27,120 करोड़ रुपए के कुल निवेश और अपनी स्वदेशी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों के साथ।
4. **सीजी सेमी प्राइवेट लिमिटेड**, साणंद, गुजरात में रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन, जापान और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक, थाईलैंड के साथ प्रौद्योगिकी साझेदारी के तहत 7,584 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ।
5. **केनेस सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड**, साणंद, गुजरात में आईएसओ, मलेशिया और एओआई, जापान के साथ प्रौद्योगिकी साझेदारी के तहत 3,307 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ।
6. **इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड:** हॉन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, ताइवान के साथ प्रौद्योगिकी साझेदारी के तहत 3,706 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ जेवर, उत्तर प्रदेश में **फॉक्सकॉन, भारत और एचसीएल समूह के मध्य एक संयुक्त उद्यम**।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत, भारत सरकार अनुमोदित कंपनियों को पात्र परियोजना लागत/पूंजीगत व्यय के 50% तक वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

*****